

निष्पादन बजट वर्ष 2016-17

विभाग- पशुपालन विभाग

विभागाध्यक्ष- संचालक, पशु चिकित्सा सेवाएं

| क्र. | योजना/कार्यक्रम का नाम | उद्देश्य/परिणाम | आयोजना राशियां 2016-17 | क्वांटिफायेबल डिलीवरेबल्स | राशि हजार ₹ में | | टिप्पणियां |
|------|---|--|------------------------------|---|---|---------|------------|
| | | | | | वास्तविक उपलब्धियां | | |
| | | | | | भौतिक | वित्तीय | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 1 | पशु चिकित्सालय/औषधालय | राज्य के समस्त पशुधन के स्वास्थ्य रक्षा हेतु पशु चिकित्सालय/औषधालय की निरंतरता | 159612 | 27 लाख पशुओं का उपचार 23.50 लाख औषधि वितरण बधियाकरण 3.80 लाख 9000 नये शल्य क्रिया | 26.51 लाख पशुओं का उपचार 27.14 लाख औषधि वितरण 3.37 लाख बधियाकरण 6314 शल्य क्रिया आयोजित शिविर संख्या-16489 15 नवीन पशु औषधलयों की स्थापना 15 पशु औषधलयों का पशु चिकित्सालय में उन्नयन | 140952 | |
| 2 | गहन पशु विकास परियोजना | राज्य में कृत्रिम गर्भाधान द्वारा पशु नस्ल सुधार कार्यक्रम । | 44621 | 5.00 लाख कृत्रिम गर्भाधान कार्य क्रिया जावेगा जिससे 1.50 लाख वत्सोत्पादन का लक्ष्य है। | कृत्रिम गर्भाधान- 5.71 लाख वत्सोत्पादन- 1.76 लाख | 31962 | |
| 3 | कुक्कुट पालन प्रक्षेत्रों (मुर्गीपालन) का विकास | कुक्कुट पालन प्रक्षेत्रों का सुदृढीकरण | 24000 | 36.00 लाख अण्डा उत्पादन 18.00 लाख चूजा उत्पादन एवं प्रक्षेत्र सुदृढीकरण | अण्डा उत्पादन- 30.71 लाख चूजा उत्पादन- 14.44 लाख | 13530 | |
| 4 | बकरी पालन प्रक्षेत्रों का सुदृढीकरण | शासकीय बकरी पालन प्रक्षेत्रों का सुदृढीकरण। | 27729 | कुल 280 संतती उत्पादन तथा 250 नर बकरों के वितरण । बकरी पालन प्रक्षेत्र कबीरधाम में अधोसंरचना विकास | संतति उत्पादन- 113 वितरण- 03 | 25414 | |

निष्पादन बजट वर्ष 2016-17

विभाग- पशुपालन विभाग

विभागाध्यक्ष- संचालक, पशु चिकित्सा सेवाएं

| क्र. | योजना/कार्यक्रम का नाम | उद्देश्य/परिणाम | आयोजना राशियां 2016-17 | कंवांटिफायेबल डिलीवरेबल्स | राशि हजार ₹ में | | टिप्पणियां |
|------|--------------------------------------|---|------------------------|--|--|---------------------------|------------|
| | | | | | वास्तविक | उपलब्धियां | |
| | | | | | भौतिक | वित्तीय | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 5 | सूकर विकास प्रक्षेत्रों का सुदृढीकरण | सूकर पालन प्रक्षेत्र में सूकर आहार, दवाईयां, उपकरण एवं भवनों का अनुरक्षण । | 9000 | 2800 सूकर वत्सोत्पादन एवं 2600 वितरण | वत्सोत्पादन- 1535 | वितरण- 1237 | 8291 |
| 6 | पशु शिविरो का आयोजन | पशु चिकित्सा शिविरो के माध्यम से पशु रोगों की रोकथाम | 9550 | 174 पशु प्रदर्शनी/मेला के आयोजन से विभागीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार एवं पशु पालन हेतु मार्गदर्शन | 170- | पशु प्रदर्शनी मेला आयोजन | 9374 |
| 7 | नस्ल सुधार हेतु बकरा वितरण | स्थानीय नस्ल के बकरियों में नस्ल सुधार, दुग्ध उत्पादन एवं मांस उत्पादन में वृद्धि | 4000 | 2714 हितग्राहियों को 2714 बकरा वितरण | | | |
| 8 | सूकर वितरण अनुदान | सूकर पालन को बढ़ावा एवं हितग्राहियों के आर्थिक स्तर का उन्नयन | 10398 | 1155 परिवारों को सूकरत्रयी एवं 857 परिवारों को नर सूकर वितरण । | सूकरत्रयी वितरण- 1093 परिवार | नर सूकर वितरण- 807 परिवार | 9834 |
| 9 | नस्ल सुधार हेतु सांडों का वितरण | राज्य के पशुओं में नस्ल सुधार कार्यक्रम | 6980 | हितग्राही संख्या - 369 सांड वितरण - 369 वत्सोत्पादन - 16605 | सांड वितरण - 243 | वत्सोत्पादन - 10843 | 6735 |
| 10 | विशेष पशुपालन कार्यक्रम | उन्नत नस्ल के बछिया का भरण पोषण, परिणामतः दुग्ध उत्पादन में वृद्धि | 20000 | हितग्राहियों की संख्या-1333 | हितग्राहियों की संख्या-1204 | | 19878 |
| 11 | कामधेनु विश्वविद्यालय की स्थापना | उच्च गुणवत्ता युक्त शिक्षा एवं अत्याधुनिक तकनीक का पशुपालकों में प्रचार-प्रसार | 393680 | विश्वविद्यालय स्थापना हेतु अधोसंरचना विकास | विश्वविद्यालय स्थापना हेतु अधोसंरचना विकास | | 120765 |

निष्पादन बजट वर्ष 2016-17

विभाग- पशुपालन विभाग

विभागाध्यक्ष- संचालक, पशु चिकित्सा सेवाएं

| क्र. | योजना/कार्यक्रम का नाम | उद्देश्य/परिणाम | आयोजना राशियां 2016-17 | क्वांटिफायेबल डिलीवरेबल्स | राशि हजार ₹ में | | टिप्पणियां |
|------|--|---|------------------------------|---|---|---------|------------|
| | | | | | वास्तविक उपलब्धियां | | |
| | | | | | भौतिक | वित्तीय | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 12 | पशुधन मित्र योजना | ग्रामीण स्तर पर पशु चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने हेतु सहयोग करने वाले गौ-सेवकों एवं प्राइवेट कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ताओं को कार्य आधारित मानदेय | 6000 | गौसेवकों एवं प्राइवेट कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ताओं को व्यक्ति मूलक योजनाओं के प्रारूप तैयार करने हेतु रू. 100 प्रति प्रकरण तथा टीकाकरण मानदेय दिया जाता है । | गौसेवकों एवं प्राइवेट कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ताओं को व्यक्ति मूलक योजना के प्रकरण तैयार करने एवं टीकाकरण कार्य हेतु कार्य आधारित मानदेय दिया गया । | 5757 | |
| 13 | राज्य पोषित डेयरी उद्यमिता विकास योजना | डेयरी व्यवसाय हेतु पशुपालकों को अनुदान | 100000 | 3500 हितग्राहियों को डेयरी व्यवसाय हेतु अनुदान | डेयरी उद्यमिता- 427 हितग्राही | 90150 | |
| 14 | राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (सामान्य) | विभागीय योजनाओं को गरीब आदिवासियों तक व्यापक रूप से पहुंचाने, उनकी आय में वृद्धि के साथ ही पशुपालन को बढ़ावा | 424722 | प्रशिक्षण एवं संस्थाओं का सुदृढ़ीकरण एवं अन्य विभागीय योजनाओं का सफलता पूर्वक संचालन हेतु सहयोग आदि । | प्राइवेट कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ता को वत्सोत्पादन पर मानदेय-17500 वत्स उत्पादित चरवाहा प्रशिक्षण- 76 चरवाहा क्षरा 6300 कृत्रिम गर्भाधान वधियाकरण- 41600 कार्य में सहयोग क्षमता विस्तार अंतर्गत- तकनीकि प्रशिक्षण-28 सेमिनार-05 पी.पी.आर. रोग नियंत्रण- 26.87 लाख एफ.एम.डी टीकाकरण- 70.80 लाख 104 वोकेशनल ट्रेनिंग प्रोवाइडर्स | 358788 | |

निष्पादन बजट वर्ष 2016-17

विभाग- पशुपालन विभाग

विभागाध्यक्ष- संचालक, पशु चिकित्सा सेवाएं

| क्र. | योजना/कार्यक्रम का नाम | उद्देश्य/परिणाम | आयोजना राशियां 2016-17 | क्वांटिफायेबल डिलीवरेबल्स | राशि हजार ₹ में | | टिप्पणियां |
|------|---|---|------------------------|---|--|--------------------|------------|
| | | | | | वास्तविक भौतिक | उपलब्धियां वित्तीय | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 15 | पशुरोग नियंत्रण | राज्य में पशुरोग नियंत्रण एवं अन्वेषण कार्य । | 136300 | 305 लाख टीकाकरण तथा वेट्स एवं पैरावेट्स का प्रशिक्षण एवं शिवरों का प्रशिक्षण-02 आयोजन | टीकाकरण- 269.60 लाख | 46925 | |
| 16 | राष्ट्रीय ब्रुसलोसिस नियंत्रण कार्यक्रम | गौवंशीय एवं भैसवंशीय पशुओं में ब्रुसलोसिस रोग नियंत्रण करना । | 19000 | ब्रुसलोसिस रोग नियंत्रण हेतु राज्य के 5 लाख भैस वत्सों में टीकाकरण कार्य | 0.76 लाख टीकाकरण | 3076 | |
| 17 | दुग्ध, अण्डा, ऊन एवं मांस की उपलब्धता का अनुमान | केन्द्र प्रवर्तित योजना अन्तर्गत दुग्ध, अण्डा एवं मांस की उपलब्धता का अनुमान लगाने हेतु सर्वेक्षण कार्य | 6526 | न्यादर्श सर्वे द्वारा राज्य के 4160 ग्रामों में प्रारंभिक सर्वे एवं 486 ग्रामों में विस्तृत सर्वे द्वारा दुग्ध, मांस, अण्डा उत्पादन की उपलब्धता का अनुमान । | 4352 ग्रामों में प्रारंभिक सर्वेक्षण 810 ग्रामों में विस्तृत सर्वेक्षण | 4059 | |
| 18 | पशु संगणना कार्यक्रम | विभिन्न प्रजातियों के पशुओं की संख्या में वृद्धि/कमी का आकलन, जिससे विभागीय योजनाओं को मूर्त रूप देने में सुविधा होती है। | 2001 | राज्य में 19वीं पशु संगणना से संबंधित शेष कार्य | राज्य में 19वीं पशु संगणना कार्य पूर्ण | 1681 | |
| 19 | राज्य पशु चिकित्सा परिषद की स्थापना | पशु चिकित्सकों का पंजीयन | 7963 | पशु चिकित्सकों का पंजीयन, पशु चिकित्सा संस्थाओं का निरीक्षण एवं मापदण्ड के अनुरूप उनका क्रियान्वयन कराना। | पशु चिकित्सकों का पंजीयन- 119 स्थापना व्यय | 4951 | |

निष्पादन बजट वर्ष 2016-17

विभाग- पशुपालन विभाग

विभागाध्यक्ष- संचालक, पशु चिकित्सा सेवाएं

| क्र. | योजना/कार्यक्रम का नाम | उद्देश्य/परिणाम | आयोजना राशियां 2016-17 | क्वांटिफायेबल डिलीवरेबल्स | राशि हजार ₹ में | | टिप्पणियां | |
|------|-------------------------------------|---|------------------------------|---|---|---------|------------|--|
| | | | | | वास्तविक उपलब्धियां | | | |
| | | | | | भौतिक | वित्तीय | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | |
| 20 | रोगाणुज | पशु मातामहामारी उन्मूलन योजना । | 3826 | 19600 ग्रामों में संक्रामक बीमारी (पशु मातामहामारी) की ग्रामखोज 3700 डे बुक निरीक्षण | 15611- ग्राम खोज 3447- डे बुक निरीक्षण | | 3642 | |
| 21 | नेशनल लाईव स्टॉक मिशन | नेशनल लाईव स्टॉक मिशन अंतर्गत कुक्कुट, छोटे रूमन्थक, चारा एवं मानव संसाधन विकास हेतु चिन्हित गतिविधियों के क्रियान्वयन एवं पशुधन बीमा, पशुधन उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि | 150000 | कुक्कुट उत्पादन में वृद्धि छोटे रूमन्थक संख्या में वृद्धि/मृत्युदरों में कमी पशुधन बीमा क्लेम प्रकरण संख्या एवं राशि प्रदाय मानव संसाधन विकास हेतु विभिन्न प्रशिक्षण एवं प्रतिभागी संख्या | 1. चूजा वितरण 6000 हितग्राही 2. बकरियों में कृमि नाशक दवा पान 3.1 लाख 3. पशुधन बीमा-6610 4. चारा बीज वितरण-264 क्वि. | | 66054 | |
| 22 | राष्ट्रीय गौवंशीय भैसवंशीय परियोजना | राष्ट्रीय गौवंशीय भैसवंशीय पशुओं के संवर्धन | 58000 | नवीन जिलों में एल.एन.2 एवं सीमेन रिक्वैर हेतु वाहन व्यवस्था एवं कृत्रिम गर्भाधान कार्य हेतु रिपोर्टिंग सुविधा का सुदृढीकरण | - | | - | |